अध्याय 10: तीन मछलियाँ

विषय-सूची 8 प्रश्नावली · 24 प्रश्न

प्रश्नावली 10.1	बातचीत के लिए	4 प्रश्न
प्रश्नावली 10.2	पाठ से	5 प्रश्न
प्रश्नावली 10.3	सोचिए और लिखिए	5 प्रश्न
प्रश्नावली 10.4	भाषा की बात	4 प्रश्न
प्रश्नावली 10.5	अनुमान और कल्पना	3 प्रश्न
प्रश्नावली 10.6	बूझो तो जानें	1 प्रश्न
प्रश्नावली 10.7	पुस्तकालय से	1 प्रश्न
प्रश्नावली 10.8	आपकी अभिव्यक्ति	1 प्रश्न

प्रश्नावली 10.1 — बातचीत के लिए

प्रश्न 1

क्या आपने कभी नदी, पोखर या समुद्र तट का भ्रमण किया है? आपने वहाँ क्या-क्या देखा?

उत्तर: नमूना उत्तर: हाँ, मैंने एक नदी का भ्रमण किया है। वहाँ मैंने स्वच्छ बहता जल, रंग-बिरंगे पत्थर, जलपक्षी और किनारे पर हरी-भरी वनस्पति देखी।

प्रश्न 2

क्या किसी कार्य को भाग्य के भरोसे छोड़ना चाहिए? अपने उत्तर का कारण दीजिए।

उत्तर: नहीं, किसी भी कार्य को केवल भाग्य के भरोसे नहीं छोड़ना चाहिए। जो व्यक्ति मेहनत और सूझ-बूझ से काम करता है, वही सफल होता है — यह इस कहानी की यद्भविष्य मछली के उदाहरण से सिद्ध होता है।

प्रश्न 3

यद्भविष्य मछुआरों से अपने प्राण नहीं बचा पाई। यदि उसके स्थान पर आप होते, तो मछुआरों से अपने प्राण कैसे बचाते?

उत्तर: नमूना उत्तर: यदि मैं उसके स्थान पर होता, तो अनागतविधाता की सलाह मानकर रात को ही दूसरे सरोवर में चला जाता। यदि जाल में फँस भी जाता, तो प्रत्युत्पन्नमति की तरह निर्जीव बनकर पड़ जाता और मछुआरों को धोखा देकर बच निकलता।

प्रश्न 4

आपको कौन-सी मछली सबसे अच्छी लगी और क्यों?

उत्तर: नमूना उत्तर: मुझे अनागतविधाता मछली सबसे अच्छी लगी, क्योंकि उसने खतरे का पता लगते ही सभी साथियों को सतर्क किया और सही समय पर सुरक्षित स्थान की ओर निकल गई। दूरदर्शिता ही सबसे बड़ी बुद्धिमानी है।

प्रश्नावली 10.2 — पाठ से

प्रश्न 1

अनागतविधाता को बहुत बुद्धिमती किस कारण से बताया गया है? सही विकल्प चुनिए। (i) नाम के अनुरूप स्वभाव होने के कारण (ii) सब कुछ भाग्य के भरोसे छोड़ देने के कारण (iii) भविष्य की संभावित समस्याओं का हल पहले से ही निकाल लेने के कारण (iv) श्रम और चिंतन से बचने की प्रवृत्ति के कारण

उत्तर: सही उत्तर: (i) और (iii) — नाम के अनुरूप स्वभाव होने के कारण तथा भविष्य की संभावित समस्याओं का हल पहले से ही निकाल लेने के कारण।

प्रश्न 2

मछुआरों की बातें सुनकर सभी मछलियों ने सभा क्यों की? सही विकल्प चुनिए। (i) गप-शप के लिए (ii) अपने प्राण बचाने हेतु कोई उपाय ढूँढने के लिए (iii) मछुआरों को अपने जाल में फँसाने के लिए (iv) पास के दूसरे सरोवर में जाने के लिए

उत्तर: सही उत्तर: (ii) और (iv) — अपने प्राण बचाने हेतु उपाय ढूँढने के लिए तथा पास के दूसरे सरोवर में जाने की योजना बनाने के लिए।

प्रश्न 3

मछुआरों ने प्रत्युत्पन्नमति को जाल में से बाहर क्यों फेंक दिया? सही विकल्प चुनिए। (i) उन्हें जीवित मछलियाँ चाहिए थीं (ii) उन्हें प्रत्युत्पन्नमति सुंदर नहीं लगी (iii) जाल में बहुत अधिक मछलियाँ थीं (iv) उनसे जाल उठाया नहीं जा रहा था

उत्तर: सही उत्तर: (i) — मछुआरों को जीवित मछलियाँ चाहिए थीं; प्रत्युत्पन्नमति निर्जीव जैसी दिखाई दे रही थी, इसलिए उन्होंने उसे वापस सरोवर में फेंक दिया।

प्रश्न 4

मछुआरों के जाल में कौन-कौन सी मछलियाँ फँस गईं? सही विकल्प चुनिए। (i) अनागतविधाता, प्रत्युत्पन्नमति और अन्य सभी मछलियाँ (ii) प्रत्युत्पन्नमति, यद्भविष्य और अन्य सभी बड़ी-बड़ी मछलियाँ (iii) अनागतविधाता और अन्य सभी मछलियाँ (iv) तीनों मछलियाँ

उत्तर: सही उत्तर: (ii) — प्रत्युत्पन्नमति, यद्भविष्य और अन्य बड़ी-बड़ी मछलियाँ जाल में फँस गईं। अनागतविधाता पहले ही दूसरे सरोवर में चली गई थी।

प्रश्न 5

स्तंभ 'क' और स्तंभ 'ख' का मिलान कीजिए: अनागतविधाता, प्रत्युत्पन्नमति, यद्भविष्य, बड़ी-बड़ी, सुंदर — बुद्धिमती, तीक्ष्ण और तीव्र बुद्धि, आलसी, मछलियाँ, सरोवर

उत्तर: अनागतविधाता → बुद्धिमती; प्रत्युत्पन्नमति → तीक्ष्ण और तीव्र बुद्धि; यद्भविष्य → आलसी; बड़ी-बड़ी → मछलियाँ; सुंदर → सरोवर।

प्रश्नावली 10.3 — सोचिए और लिखिए

प्रश्न 1

प्रत्युत्पन्नमति पहले से ही समस्या का समाधान करने की आवश्यकता क्यों नहीं समझती थी?

उत्तर: प्रत्युत्पन्नमति की बुद्धि इतनी तीव्र और पैनी थी कि वह किसी भी कठिनाई का समाधान उसी क्षण निकाल सकती थी। इसीलिए उसे पहले से योजना बनाना आवश्यक नहीं लगता था।

प्रश्न 2

सभी मछलियों के भयभीत होने का क्या कारण था?

उत्तर: सभी मछलियों ने सुना कि दो मछुआरे अगले दिन सवेरे उस सरोवर में बड़ा जाल डालकर उन सबको पकड़ लेंगे। अपनी जान का संकट देखकर वे सब भयभीत हो गईं।

प्रश्न 3

'जो होना होगा, सो तो होगा ही' — यह किस मछली का मानना था और वह ऐसा क्यों मानती थी?

उत्तर: यह यद्भविष्य नामक मछली का मानना था। वह स्वभाव से आलस्यमयी थी और सोचती थी कि भाग्य में जो लिखा है वही होगा, इसलिए मेहनत और सोच-विचार से कोई लाभ नहीं।

प्रश्न 4

अनागतविधाता ने मछुआरों की योजना से बचने के लिए क्या उपाय सुझाया?

उत्तर: अनागतविधाता ने सुझाया कि सभी मछलियाँ उसी रात सरोवर छोड़कर पास के दूसरे सरोवर में चली जाएँ, ताकि सवेरा होने से पहले वे मछुआरों की पहुँच से दूर हो जाएँ।

प्रश्न 5

प्रत्युत्पन्नमति ने मछुआरों से बचने के लिए क्या उपाय किया?

उत्तर: प्रत्युत्पन्नमति ने जाल में फँसते ही अपना शरीर सिकोड़ लिया और आँखें बंद करके बिल्कुल निर्जीव-सी बनकर पड़ गई। मछुआरों को वह मरी हुई लगी, इसलिए उन्होंने उसे सरोवर में वापस फेंक दिया और उसकी जान बच गई।

प्रश्नावली 10.4 — भाषा की बात

प्रश्न 1

कहानी में आए शब्दों को संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया में वर्गीकृत कीजिए। दिए गए शब्द: कुछ, सभा, वह, बचना, सुंदर, तीन, सरोवर, पहली, रहना, हमने, मछली, सोचना, अच्छा, उन्होंने, मछुआरा, यद्भविष्य, दो, लिखना, जाना, मैं।

उत्तर: संज्ञा: सभा, सरोवर, मछली, मछुआरा, यद्भविष्य। सर्वनाम: वह, हमने, मैं, उन्होंने, कुछ। विशेषण: सुंदर, तीन, पहली, अच्छा, दो। क्रिया: बचना, रहना, सोचना, लिखना, जाना।

प्रश्न 2

कहानी में आए एकवचन और बहुवचन शब्दों की तालिका पूर्ण कीजिए। उदाहरण — एकवचन: मछली → बहुवचन: मछलियाँ; एकवचन: मैं → बहुवचन: (दिया हुआ); बहुवचन: ध्वनियाँ → एकवचन: (खोजिए)।

उत्तर: एकवचन → बहुवचन: मछली → मछलियाँ, मछुआरा → मछुआरे, सरोवर → सरोवर (अपरिवर्तित)। बहुवचन → एकवचन: ध्वनियाँ → ध्वनि, बातें → बात, मछलियाँ → मछली।

प्रश्न 3

उपयुक्त शब्दों से रिक्त स्थान भरिए (ने, में, को, के, का, की, पर): (क) मछुआरों का ध्यान पानी में सैर करती हुई मछलियों ..... गया। (ख) मछुआरों ..... बातें तीनों मछलियों ..... सुन लीं। (ग) वह कहने लगी कि मैं तो अपने इस पुराने निवास स्थान ..... छोड़कर कहीं नहीं जाऊँगी। (घ) उत्तर भारत ..... एक सुंदर सरोवर ..... तीन मछलियाँ रहती थीं।

उत्तर: (क) पर — मछलियों पर गया। (ख) की, ने — मछुआरों की बातें; मछलियों ने सुन लीं। (ग) को — निवास स्थान को छोड़कर। (घ) के, में — उत्तर भारत के; सरोवर में।

प्रश्न 4

उचित विराम चिह्न लगाकर वाक्य पुनः लिखिए: (क) एक समय की बात है (ख) पहला मछुआरा बोला अरे देखो इस सरोवर में कितनी बड़ी बड़ी मछलियाँ हैं (ग) मछुआरों ने सरोवर में अनागतविधाता प्रत्युत्पन्नमति यद्भविष्य और बड़ी बड़ी स्वस्थ मछलियाँ देखीं (घ) हाँ हाँ और इतनी सारी मछलियाँ एक ही जगह हमने पहले कभी नहीं देखीं दूसरा मछुआरा बोला (ङ) मछुआरों की बातें तीनों मछलियों ने सुन लीं

उत्तर: (क) एक समय की बात है। (ख) पहला मछुआरा बोला — अरे! देखो, इस सरोवर में कितनी बड़ी-बड़ी मछलियाँ हैं? (ग) मछुआरों ने सरोवर में अनागतविधाता, प्रत्युत्पन्नमति, यद्भविष्य और बड़ी-बड़ी स्वस्थ मछलियाँ देखीं। (घ) "हाँ, हाँ और इतनी सारी मछलियाँ एक ही जगह हमने पहले कभी नहीं देखीं" — दूसरा मछुआरा बोला। (ङ) मछुआरों की बातें तीनों मछलियों ने सुन लीं।

प्रश्नावली 10.5 — अनुमान और कल्पना

प्रश्न 1

प्रत्युत्पन्नमति ने मछुआरों से बचने की जो योजना बनाई, यदि वह उसमें सफल न होती, तो उसकी अन्य योजना क्या हो सकती थी?

उत्तर: यदि निर्जीव बनने की योजना सफल न होती, तो वह स्वयं को घायल या बीमार दिखा सकती थी — जैसे शरीर पर चोट का नाटक करना ताकि मछुआरे उसे बेकार समझकर छोड़ दें। वह जाल में छटपटाकर एक किनारे खिसकने का प्रयास भी कर सकती थी।

प्रश्न 2

क्या आपने समुद्र देखा है? अनुमान लगाकर बताइए कि समुद्र में इतना अधिक जल कहाँ से आता है।

उत्तर: नमूना उत्तर: हाँ, मैंने समुद्र देखा है। समुद्र में इतना विशाल जल मुख्यतः दो स्रोतों से आता है — देश-विदेश की असंख्य नदियाँ अपना पानी लेकर समुद्र में मिलती हैं, और जलचक्र के माध्यम से वर्षा का जल भी नदियों-नालों के रास्ते समुद्र तक पहुँचता है।

प्रश्न 3

मान लीजिए कि प्रत्युत्पन्नमति तैरकर पास के सरोवर में अनागतविधाता के पास पहुँच गई। दोनों में आपस में क्या-क्या बातचीत हुई होगी? लिखिए।

उत्तर: नमूना उत्तर: प्रत्युत्पन्नमति — मित्र, मैं आ गई! अनागतविधाता — अरे, बहुत अच्छा हुआ! लेकिन तुम जाल में फँस गई थीं न? कैसे बचीं? प्रत्युत्पन्नमति — मैंने तुरंत निर्जीव बनने का नाटक किया और मछुआरों ने मुझे वापस फेंक दिया। अनागतविधाता — तुम्हारी तत्काल सूझ-बूझ ने तुम्हारी जान बचाई। काश यद्भविष्य ने भी हमारी बात मानी होती।

प्रश्नावली 10.6 — बूझो तो जानें

प्रश्न 1

नीचे पानी में तैरती हुई मछलियों के चित्रों में से बिल्कुल एक जैसी दो मछलियाँ कौन-सी हैं?

उत्तर: चित्र क्रमांक 2 और 4 की मछलियाँ बिल्कुल एक जैसी हैं।

प्रश्नावली 10.7 — पुस्तकालय से

प्रश्न 1

शब्दकोश की सहायता से इन शब्दों के अर्थ लिखिए: विनोद, तीक्ष्ण, चिंतन, विश्राम, श्रम।

उत्तर: विनोद — आनंद, मनोरंजन। तीक्ष्ण — तेज, पैना, कुशाग्र। चिंतन — गहरा सोच-विचार, मनन। विश्राम — आराम, थकान मिटाने के लिए रुकना। श्रम — मेहनत, परिश्रम।

प्रश्नावली 10.8 — आपकी अभिव्यक्ति

प्रश्न 1

दिए गए चित्र की सहायता से 'खट्टे हैं अंगूर' कहानी को अपने शब्दों में कविता या कहानी के रूप में लिखिए।

उत्तर: नमूना उत्तर (कहानी): एक बार एक भूखी लोमड़ी एक अंगूर की बेल के पास आई। बेल पर रसीले अंगूरों के गुच्छे लटके हुए थे। लोमड़ी ने बार-बार उचककर अंगूर तोड़ने की कोशिश की, पर वह बहुत ऊँचे थे। थककर वह बोली, 'ये अंगूर तो खट्टे हैं!' और चली गई। जो चीज़ हमें न मिले, उसे बुरा कह देना समझदारी नहीं है।